

बोधन

चतुर चिड़िया

एक चिड़िया थी। उसका नाम चीं-चीं था। एक दिन की बात है। चीं-चीं चिड़िया गाय के पास बैठी थी। वह दाने चुग-चुग कर खाती रहती थी। गाय ने गोबर किया। चिड़िया गोबर में दब गई। वह उड़ न सकी। उधर के एक कुत्ता आया। चिड़िया ने कहा कि भाई कुत्ते मुझे निकाल। कुत्ते ने कहा “निकालूँगा तो खा लूँगा।” चिड़िया ने कहा कि खा लेना।

कुत्ता चिड़िया को नल पर ले गया। वह चिड़िया को नहला कर खाने लगा। चिड़िया ने कहा मुझे सुखा तो ले। कुत्ते ने चिड़िया को धूप में रख दिया। थोड़ी देर में चिड़िया के पंख सूख गए। वह फुर्र कर के उड़ गई। कुत्ता मुँह देखता रह गया।

प्रश्न

१. इस कहानी में कितनी चिड़िया थी ?

-----

२. चिड़िया का नाम क्या था ?

-----

३. क्या एक रात की बात थी ?

-----

४. चीं-चीं चिड़िया कहाँ बैठी थी ?

-----

५. चीं-चीं चिड़िया क्या खा रही थी ? दाने या मिठाई ?

-----

समाप्त